



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 328 ]

नई दिल्ली, मंगलवार, दिसम्बर 11, 2001/अग्रहायण 20, 1923

No. 328]

NEW DELHI, TUESDAY, DECEMBER 11, 2001/AGRAHAYANA 20, 1923

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

( वाणिज्य विभाग )

( पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय )

जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना

नई दिल्ली, 11 दिसम्बर, 2001

विषय : चीन जनवादी गणराज्य से हाईड्रोफ्लोरिक एसिड के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच शुरू करना।

सं. 62/1/2001-डीजीएडी.—मै0 ऑल इण्डिया हाईड्रोफ्लोरिक एसिड मैनुफैक्चरर्स (ए एच एफ)

एसोसिएशन न घरेलू उद्योग की ओर से 1995 में यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन तथा संग्रहण एवं क्षति निर्धारण) नियम, 1995 के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके बाद प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष याचिका दायर की है जिसमें चीन जनवादी गणराज्य (जिसे इसके पश्चात् संबद्ध देश कहा गया है) से हाईड्रोफ्लोरिक एसिड के पाटन का आरोप लगाया गया है तथा पाटनरोधी जांच करने और पाटनरोधी शुल्क लगान का अनुरोध किया गया है

1. शामिल उत्पाद: वर्तमान याचिका में शामिल उत्पाद संबद्ध देश के मूल का अथवा वहाँ से निर्यातित हाईड्रोफ्लोरिक एसिड (जिसे एतदपश्चात् संबद्ध वस्तु भी कहा गया है) है और यह

सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के सीमाशुल्क उप-शीर्ष 281111 के अंतर्गत वर्गीकृत है। हाईड्रोफ्लोरिक एसिड एन्हाईड्रस हाईड्रोफ्लोरिक एसिड अथवा डाइल्यूट हा सकता है। यह एक अकार्बनिक रसायन है जो सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के सीमाशुल्क उप-शीर्ष 281111 के अंतर्गत सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 28 के तहत वर्गीकृत है और इसका उपयोग अकार्बनिक फ्लोराइड, फ्लोरीनेटेड हाइड्रोकार्बन कम्पाउंड्स रेफीजरेन्ट्स के विनिर्माण, गैसोलीन एल्कीलेशन के लिए एक कैटेलिस्ट के रूप में हाता है। इसका उपयोग स्टेनलैस स्ट्रिप्स तथा हाई सिलिकोन शीट्स की डीस्कैलिंग के लिए तथा शीशे पर उत्कीर्णन के लिए पिकलिंग एजेंट के रूप में और विविध फ्लोराइड्स के उत्पादन में भी हाता है। तथापि यह वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और मौजूदा जांच के दायरे पर किसी भी प्रकार से बाध्यकारी नहीं है।

**2. घरेलू उद्योग की स्थिति:** यह याचिका मै0 ऑल इण्डिया हाईड्रोफ्लोरिक एसिड मैन्युफैक्चरर्स (ए एच एफ) एसोसिएशन, कुड्डालार द्वारा दायर की गयी है। याचिका का समर्थन मै0 टेनफेक इंडस्ट्रीज लि0 और मै0 नवीन फ्लोरीन लि0 द्वारा किया गया है। अन्य दो उत्पादक मै0 श्रीराम फाइबर्स लि0 और मै0 गुजरात फ्लोरीन कैमिकल्स लि0 हाईड्रोफ्लोरिक एसिड का कैप्टिव रूप से उपभोग करते हैं। व्यापारिक उद्देश्यों के लिए मै0 टेनफेक इंडस्ट्रीज लि0 और मै0 नवीन फ्लोरीन लि0 के उत्पादन के आधार पर याचिकाकर्ता नियम 5(क) और (ख) के अनुसार याचिका दायर करने की शर्तों को पूरा करते हैं और ये नियम 2(स) के अनुसार घरेलू उद्योग का प्रतिनिधित्व भी करते हैं।

3. संबंधित देश: वर्तमान जांच में शामिल देश चीन जनवादी गणराज्य है (जिसे इसमें इसके बाद संबद्ध देश भी कहा गया है) ।

4. समान वस्तुएं: याचिकाकर्ता का कहना है कि उसके द्वारा उत्पादित माल, चीन मूल के या वहां से निर्यातित माल के समान वस्तु है क्योंकि वह तकनीकी व वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापन योग्य है। तदनुसार याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित माल को, नियमावली के अर्थों के भीतर संबद्ध देश से आयातित माल के समान वस्तुएं माना जा रहा है।

5 सामान्य मूल्य: दिनांक 15.7.99 की अधिसूचना सं. 44/99-सी.शु. (एन टी) और दिनांक 31 मई, 2001 की अधिसूचना सं. 28/2001 (एन टी) द्वारा यथा अधिसूचित संशोधित पाटनरोधी नियमों के अनुसार याचिकाकर्ताओं ने चीन जनवादी गणराज्य के लिए सामान्य मूल्य का दावा भारत में संबद्ध वस्तु के परिकलित सामान्य मूल्य के आधार पर किया है जिसे प्राधिकारी द्वारा चीन जनवादी गणराज्य में संबद्ध वस्तु के सामान्य मूल्य के लिए प्रथम दृष्टया साक्ष्य माना गया है।

6. निर्यात कीमत: याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि अप्रैल, 2001 से जून, 2001 की अवधि के लिए आयात आंकड़े डी जी सी आई एंड एस. कलकत्ता और जुलाई-सितम्बर, 2001 के लिए गौण स्रोतों से उपलब्ध हैं। याचिकाकर्ता न कारखाना द्वार स्तर पर कीमत निकालने के लिए समुद्री भाड़े, समुद्री बीमे, अंतर्राज्यीय भाड़े, पत्तन व्यय और कमीशन के कारण समायोजनों का दावा किया है।

7. **पाटन मार्जिन:** इस बात के प्रथम दृष्ट्या पर्याप्त साक्ष्य हैं कि संबद्ध देश का सामान्य मूल्य उस कीमत से काफी अधिक है जिस पर इसे भारत को निर्यात किया गया । इससे इस बात का प्रथम दृष्ट्या संकेत मिलते हैं कि संबद्ध देश के निर्यातकों द्वारा संबद्ध वस्तु का पाटन किया जा रहा है ।

8. **क्षति एवं कारणात्मक संबंध:** क्षति से संबंधित विभिन्न संकेतक जैसे गिरती हुई घरेलू कीमत, आर्डर प्राप्ति में कमी होना इत्यादि प्रथम दृष्ट्या संकेत करते हैं कि घरेलू उद्योग का पाटन के कारण वास्तविक क्षति हुई है । मांग प्रथम दृष्ट्या क्षति का कारण नहीं है

9. **पाटनरोधी जांच की शुरुआत:** उपरोक्त पैराग्राफ को देखते हुए, निर्दिष्ट प्राधिकारी संबद्ध देश के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु की कथित डम्पिंग होने, उसकी मात्रा तथा उसके प्रभाव की पाटनरोधी जांच आरम्भ करते हैं ।

10. **जांच की अवधि:** वर्तमान जांच के प्रयाजन के लिए जांच की अवधि 1 अप्रैल, 2001 से 30 सितम्बर, 2001 तक की है ।

11. **सूचना देना:** संबद्ध देश में निर्यातको और भारत में आयातको, जिनके इससे संबंधित होने की जानकारी है, को अलग से लिखा जा रहा है कि वे संबंधित सूचना निर्धारित प्रपत्र में तथा निर्धारित ढंग से निर्दिष्ट प्राधिकारी को निम्नलिखित पते पर दें -

निर्दिष्ट प्राधिकारी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

वाणिज्य विभाग

पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय

उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011

अन्य कोई हितबद्ध पार्टी भी नीचे दी गयी समयावधि के सीमा के भीतर निर्धारित प्रपत्र में और निर्धारित ढंग से जांच से संबंधित अभिवेदन दे सकती है।

**12. समय-सीमा:** वर्तमान जांच से संबंधित कोई भी सूचना लिखित रूप में दी जाए जो उपरोक्त पते पर निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से 40 दिनों के भीतर पहुँच जानी चाहिए। तथापि, जिन ज्ञात निर्यातकों तथा आयातकों को अलग से लिखा जा रहा है उन्हें अलग से लिखे गए पत्र की तारीख से 40 दिन के भीतर सूचना प्रस्तुत करनी होगी।

**13. अगोपनीयसारांश:** सभी हितबद्ध पार्टियाँ को पाटनरोधी नियम 7(2) के अनुसार गोपनीय आधार पर उपलब्ध कराई गयी किसी सूचना का अगोपनीय सारांश उपलब्ध कराना होगा। यह सूचना नियम 7(1) और 7(2) के अनुसार स्वीकृति के अधीन होगी।

**14. सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण:** 6(7) क अनुसार, कोई भी हितबद्ध पार्टी उस सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकती है जिसमें अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के अगोपनीय अंश रखे गए हैं ।

**15.** यदि कोई हितबद्ध पार्टी आवश्यक सूचना जुटाने से मना करती है या उचित समयावधि के भीतर उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराती है अथवा जांच में अत्यधिक बाधा डालती है तो प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निष्कर्ष दर्ज कर सकते हैं तथा केन्द्रीय सरकार को यथोचित सिफारिश कर सकते हैं ।

एल.वी. सप्तगृधि, निर्दिष्ट प्राधिकारी

## MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI DUMPING AND ALLIED DUTIES)

## INITIATION NOTIFICATION

New Delhi, the 11th December, 2001

**Subject :—Initiation of anti-dumping investigation concerning import of Hydrofluoric Acid from People's Republic of China.**

No. 62/1/2001-DGAD.—M/s All India Hydrofluoric Acid Manufacturers (AHF) Association on behalf of the domestic industry has filed a petition in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 before the Designated Authority (herein after referred to as the Authority) alleging dumping of Hydrofluoric Acid from People's Republic of China (herein after referred to as subject country) and requested for anti dumping investigations and levy of anti dumping duties.

1. **Product involved:** The product involved in the present petition is Hydrofluoric Acid (also referred as subject goods hereinafter) originating in or exported from the subject country and classified under Customs Sub-heading 281111 of the Customs Tariff Act, 1975. Hydrofluoric Acid could be Anhydrous Hydrofluoric Acid or dilute. It is an inorganic chemical classified under Chapter 28 of the Customs Tariff Act under Customs Sub-heading 281111 of the Customs Tariff Act, 1975 and is used as a catalyst for gasoline Alkylation manufacture of Inorganic Fluorides, Fluorinated Hydrocarbon Compounds, Refrigerants. It is also used as a pickling agent for descaling stainless strips and high silicon

sheets, glass etching and also for production of misc. fluorides. The product is also available in various forms and purities. The classification, is, however, indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation.

2. **Domestic Industry Standing:** The petition has been filed by the M/s All India Hydrofluoric Acid Manufacturers (AHF) Association, Cuddalore. The petition is supported by M/s Tanfac Industries Ltd and M/s Navin Fluorine Ltd. M/s Shriram Fibres Ltd. and M/s Gujarat Fluorine Chemicals Ltd., the other two producers consume Hydrofluoric Acid captively. On the basis of the production of M/s Tanfac Industries Ltd and M/s Navin Fluorine Ltd. for merchant purposes, the petitioners satisfy the standing to file petition as per Rule 5(a) and (b) and also represent the domestic industry as per Rule 2(b).

3. **Country(ies) involved:** The country involved in present investigation is People's Republic of China (hereinafter referred to as to as China PR or subject country)

4. **Like Articles:** The petitioner has claimed that goods produced by them are like articles to the goods produced, originating in or exported from the subject country as they are technically and commercially substitutable. Accordingly, goods produced by the petitioner are being treated as like articles to the goods imported from the subject country within the meaning of the Rules.

5. **Normal Value:** In accordance with the amended Anti-Dumping Rules as notified vide Notification No. 44/99-CUS(NT) dated 15-7-99 and Notification No.28/2001(N.T.) dated 31<sup>st</sup> May, 2001, the petitioners have claimed Normal Value for China PR based on the basis of Constructed Normal Value of the subject goods in India which has been considered by the Authority as a prima facie evidence for Normal Value of subject goods in China PR.

6. **Export Price:** The petitioner has claimed that Import Statistics are available through DGCI&S, Calcutta for the



period April, 2001 to June, 2001 and secondary sources from July-September, 2001. The petitioner has claimed adjustments on account of ocean freight, marine insurance, inland freight, port expenses and commission to arrive at the ex-factory price.

7. **Dumping Margin:** There is sufficient prima-facie evidence that the normal value of the subject country is higher than the price at which it has been exported to India indicating prima-facie that the subject goods are being dumped by the exporters from the subject country.

8. **Injury and Causal Link:** Various parameters relating to injury such as suppressed domestic price, loss of orders etc. prima-facie indicate that domestic industry has suffered material injury on account of dumping. Demand is prima facie not a cause of injury.

9. **Initiation of Anti-Dumping Investigation:** The Designated Authority, in view of the foregoing paragraph, initiates anti-dumping investigations into the existence, degree and effect of alleged dumping of the subject goods originating in or exported from the subject country.

10. **Period of Investigation:** The period of investigation for the purpose of present investigation is 1<sup>st</sup> April, 2001 to 30<sup>th</sup> September, 2001.

11. **Submission of Information:** The exporters in the subject countries/territory and the importers in India known to be concerned are being addressed separately to submit relevant information in the form and manner prescribed and to make their views known to the Designated Authority at the following address:-

**Designated Authority**  
**Ministry of Commerce & Industry**  
**Department of Commerce**  
**Directorate General of Anti Dumping**  
**& Allied Duties**  
**Udyog Bhavan, New Delhi- 110011.**

Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation in the prescribed form and manner within the time limit set out below.

12. **Time Limit:** Any information relating to the present investigations should be sent in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than forty days from the date of publication of this notification. The known exporters and importers, who are being addressed separately, are, however, required to submit the information within forty days from the date of letter addressed to them separately.

13. **Non-confidential summary:** All interested parties must provide a non-confidential summary of any information provided on a confidential basis in terms of Anti-Dumping Rule 7(2). This information will be subject to acceptance in terms of Rules 7(1) and 7(2)

14. **Inspection of Public File:** In terms of Rule 6(7), any interested party may inspect the public file containing non-confidential version of the evidence submitted by other interested parties.

15. In case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

L.V. SAPTHARISHI, Designated Authority